भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2082
बुधवार, 12 मार्च, 2025 को उत्तर देने के लिए

एनईएसएसी परियोजनाओं के लिए सहायता

2082. श्री योगेन्द्र चांदोलिया:
श्री अनुराग शर्मा:
श्री प्रवीण पटेल:
श्री तापिर गाव:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या पूर्वोत्तर अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र (एनईएसएसी) की 12वीं बैठक के दौरान इस क्षेत्र में अंतरिक्ष अनुप्रयोगों में वृद्धि करने के लिए किन्हीं विशिष्ट पहलों पर चर्चा की गई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या पूर्वात्तर राज्यों में युवाओं के लिए अंतरिक्ष-आधारित शिक्षा और अनुसंधान के अवसरों को बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित किया गया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार एनईएसएसी की परियोजनाओं के लिए पर्याप्त निधियन और सहायता सुनिश्चित करने की किस प्रकार योजना बना रही है?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :
****

(क) एवं (ख)

माननीय गृह मंत्री और पूर्वोत्तर अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र सोसायटी के अध्यक्ष, पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों तथा अन्य सदस्यों ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में अंतरिक्ष अनुप्रयोगों में वृद्धि करने हेतु अनेक नई पहलों के सुझाव दिए हैं;

I. इस बात को स्वीकार करते हुए कि प्रत्येक पूर्वोत्तर राज्य में 10 से अधिक विभाग अंतरिक्ष अनुप्रयोगों का सक्रियता से उपयोग कर रहे हैं, यह सुझाव दिया गया कि

संबंधित मुख्य सचिवों के परामर्श से अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के उपयोग हेतु प्रत्येक राज्य से 25 विभागों की पहचान की जाए। गृह मंत्रालय और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा इसका अनुवर्तन किया जाएगा।

II. पूर्वोत्तर क्षेत्र में वनरहित क्षेत्रों तथा वनरोपण हेतु संभावित खुले क्षेत्रों की पहचान करना।

III. संपूर्ण पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए बाढ़ मानचित्रण प्रारंभ करना।

IV. पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए प्रासंगिक अंतरिक्ष अनुप्रयोगों में सर्वोत्तम पद्धतियों को उजागर करके एक योजना तैयार करना।

V. एनईआर में खनिज, तेल और कोयले का मानचित्रण करना।

VI. अरुणाचल प्रदेश सरकार के परामर्श से सरकारी अधिकारियों, युवा पीढ़ी, छात्रों सभी वर्ग की महिलाओं और जनजातियों के लिए परस्पर क्रिया की योजना बनाना।

VII. मणिपुर के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली-आधारित भूसंपत्ति सूचना प्रणाली के विकास हेतु मणिपुर सुदूर संवेदन अनुप्रयोग केंद्र (एमएआरएसएसी) के साथ सहयोग और पूर्वोत्तर परिषद के परामर्श से ड्रोन सुविधाओं का संवर्धन करना।

VIII. सिक्किम विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद की सहायता से तीस्ता और रंगीत नंदियों के लिए नदी आकृति विज्ञान पर एक व्यापक अध्ययन आयोजित करना।

IX. त्रिपुरा में 42 ग्रामीण विकास (आरडी) प्रखंडों के लिए जल भू-आकृति विज्ञान मानचित्रण में सहायता करना तथा राज्य के 12 शहरी स्थानीय निकायों के जोखिम खतरा भेद्यता मूल्यांकन (एचआरवीए) को अद्यतित करना।

X. कोहिमा और दीमापुर में एक भू-स्थानिक केंद्र की स्थापना पर एक प्रस्ताव तैयार करने हेतु नागालैंड जीआईएस एवं सुदूर संवेदन केंद्र (एनजीआईएसआरएससी) को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करना।

XI. गृह मंत्रालय के परामर्श से असम के बाढ़ प्रवण क्षेत्रों में अंकीय उन्नतांश मॉडल (डीईएम) के सृजन हेतु एलआईडीएआर सर्वेक्षण के लिए एक योजना तैयार करना।

(ग) एवं (घ)

पूर्वोत्तर अंतरिक्ष उपयोग केंद्र सोसायटी की 12वीं बैठक के दौरान माननीय गृह मंत्री तथा सोसायटी के अध्यक्ष द्वारा दिए गए सुझावों के अनुसार, "अंतरिक्ष जागरूकता, पहुंच और ज्ञान हेतु उत्तर पूर्व छात्र कार्यक्रम" (एनई-एसपीएआरकेएस) नामक एक नए कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय संबंधित राज्य

सरकारों की सहायता से इसरों में 800 युवा तथा प्रतिभावान विज्ञान विषय के छात्रों (प्रत्येक पूर्वोत्तर राज्य से 100) के दौरे की व्यवस्था करेगा।

पूर्वोत्तर एसएसी/ अंतरिक्ष विभाग, शिलौंग 45 दिनों की (प्रशिक्षुता) अवधि तथा 120 दिनों तक की (परियोजना प्रशिक्षुओं) सहित छात्र प्रशिक्षुता योजना और छात्र परियोजना प्रशिक्षु योजना के माध्यम से छात्रों तथा शोधार्थियों के लिए अवसर प्रदान करता है। ये कार्यक्रम छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किए गए हैं, जो उन्हें संबंधित क्षेत्र के वैज्ञानिकों/इंजीनियरों के अधीन कार्य करने का अवसर प्रदान करते हैं। इन योजनाओं से विविध शैक्षिक संस्थानों के छात्र लाभ प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उन्हें उनके शैक्षिक पाठ्यक्रम के भाग के रूप में अंतरिक्ष अनुसंधान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्राप्त होगी।

इसरो हमारे देश के भविष्य निर्माता युवाओं के बीच अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में युवा छात्रों को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष विज्ञान तथा अंतरिक्ष अनुप्रयोगों पर मूलभूत जानकारी प्रदान करने हेतु स्कूली बच्चों के लिए "युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम" "युवा विज्ञानी कार्यक्रम", **युविका** नामक एक विशेष कार्यक्रम आयोजित करता है। इसरो ने पूर्वोत्तर राज्यों सहित प्रत्येक राज्य और संघ शासित क्षेत्र (यूटी) से कक्षा IX एवं X के दस छात्रों का चयन करके "कैच देम यंग" के आधार पर यह कार्यक्रम तैयार किया है। यह कार्यक्रम विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरी तथा गणित (एसटीईएम) आधारित अनुसंधान/वृत्ति को अपनाने हेतु अधिक छात्रों को प्रोत्साहित करता है।

(ङ) एनईएसएसी अनुदान के रूप में भारत सरकार से अपेक्षित निधि प्राप्त करता है। इसके अलावा, यह केंद्र केंद्रीय/राज्य सरकारों, सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों और कुछ अन्य गैर-सरकारी एजेंसियों के अंतर्गत विविध प्रयोक्ता विभागों से बड़ी संख्या में बाहर से वित्तपोषित परियोजनाओं के क्रियान्वयन के माध्मय से भी वित्तीय संसाधन प्राप्त करता है।

****